भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 156
20.07.2026 को उत्तर के लिए

बाघों और हाथियों की संख्या

156. श्रीमती जून मालिया :

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में बाघों और हाथियों की अद्यतन संख्या कितनी है;
(ख) क्या गत तीन वर्षों के दौरान उनकी आबादी में कोई वृद्धि या गिरावट दर्ज की गई हैं;
(ग) उक्त अवधि के दौरान अवैध शिकार, रेल दुर्घटनाओं और बिजली के झटकों से कितने बाघों और हाथियों की मौत हुई है; और
(घ) इस प्रकार की मौतों को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) और (ख) वर्ष 2022 में की गई अखिल भारतीय बाघ गणना के अनुसार बाघों की जनसंख्या बढ़ी है, जो वर्ष 2018 की गणना के अनुसार 2967 बाघों(सीमा 2603-3346) की तुलना में बढ़कर 3682 (सीमा 3167-3925) हो गई है और संबंधित ब्यौरा अनुलग्नक-**I** पर संलग्न है।

नवीनतम "भारत में हाथियों की स्थिति: डीएनए-आधारित समकालिक अखिल भारतीय जनसंख्या गणना (एसएआईआईईई) 2022-25" के अनुसार देश में जंगली हाथियों का राज्य-वार ब्यौरा अनुलग्नक-**II** पर संलग्न है। इस राष्ट्रव्यापी गणना में पहली बार भारत में डीएनए-आधारित मार्क-रीकैप्चर का प्रयोग किया गया है। प्रणालीगत बदलावों को देखते हुए, इसकी तुलना पिछले आंकड़ों से नहीं की जा सकती और इसका उपयोग आगे के शोध, निगरानी और गणना के लिए नई निगरानी बेसलाइन के रूप में किया जा सकता है।

(ग) राज्यों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार पिछले तीन दशकों के दौरान बाघों की मृत्यु का ब्यौरा इस प्रकार है:-

कारण	बाघ		
	2023	2024	2025
अवैध शिकार (जांच के अनुसार अब तक पुष्ट मामले)	39	25	17
रेल दुर्घटनाएँ	2	3	2
बिजली से मृत्यु	16	4	4

राज्यों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में हाथियों की मृत्यु का ब्यौरा इस प्रकार है :-

कारण	हाथी		
	2023-24	2024-25	2025-26
अवैध शिकार	10	18	10
रेल दुर्घटनाएँ	17	12	22
बिजली से मृत्यु	94	104	80

(घ) भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के माध्यम से बाघों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों में, अन्य बातों के अलावा, पर्यावास संरक्षण, आधारभूत ढांचा, अवैध शिकार विरोधी अभियान, बाघ संरक्षण बल (टीपीएफ/एसटीपीएफ) की तैनाती के लिए केंद्र प्रायोजित योजना 'बाघ और हाथी परियोजना' के तहत राज्यों को निधि प्रदान करना कठोर सतर्कता और निगरानी, अवैध शिकार विरोधी अभियान और आसूचना एकत्र करना, तकनीकी पहल, पारिस्थितिकी विकास संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी, कैमरा ट्रैप जैसे हथियारों के माध्यम से निगरानी आदि; सुरक्षा योजना को कार्यान्वित करना, सुरक्षा ऑडिट करवाने के साथ-साथ गश्त और पारिस्थितिकी स्थिति प्रकट करने वाले ऐप जैसे एम-एसटी आरआईपीईएस (बाघ गहन-संरक्षण और पारिस्थितिक स्थिति के लिए निगरानी प्रणाली) का उपयोग करना और अवैध शिकार तथा बाघ के शावकों को पकड़ने के मामलों में नेपाल, भूटान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग करना आदि शामिल है।

इसके अलावा, मंत्रालय ने हाथियों की मौत को रोकने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ, हाथी संरक्षण, पर्यावास संरक्षण, संघर्ष शमन के लिए केंद्रीय प्रायोजित योजना प्रोजेक्ट टाइगर और इलीफेंट के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना, संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए, मानव मृत्यु के मामलों में अनुग्रह राशि का भुगतान, हाथी बहुल क्षेत्रों में कठोर सतर्कता और निगरानी शामिल है। इसके अलावा, रेलगाड़ी से टक्कर होने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए मंत्रालय ने रेल मंत्रालय तथा विद्युत मंत्रालय के साथ नियमित अंतर-मंत्रालयी बैठक करने और रेलवे, शक्ति और वन कार्मिकों के लिए क्षमता वर्धन कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा रेल मंत्रालय के साथ स्थायी समन्वय समिति का गठन करने के साथ-साथ प्राथमिकता प्राप्त 77 रेलवे खंडों की पहचान की है और 705 उपशमन संरचनाओं की सिफारिश की है जिन्हें कार्यान्वयन हेतु रेलवे और राज्यों के साथ साझा किया गया है।

****

अनुलग्नक - **I**

'बाघों और हाथियों की संख्या' के संबंध में दिनांक 20/07/2026 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 156 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

वर्ष 2018 और 2022 के लिए देश में बाघ परिदृश्य से संबंधित बाघ गणना का ब्यौरा (भारतीय बाघ गणना रिपोर्ट के अनुसार)

राज्य	बाघों की संख्या	
	2018	2022
शिवालिक-गंगा मैदान परिदृश्य समुच्चय		
उत्तराखंड	442	560
उत्तर प्रदेश	173	205
बिहार	31	54
शिवालिक गंगा	646	819
मध्य भारतीय लैंडस्केप परिसर और पूर्वी घाट परिदृश्य समुच्चय		
आंध्र प्रदेश	48	63
तेलंगाना	26	21
छत्तीसगढ	19	17
मध्य प्रदेश	526	785
महाराष्ट्र	312	444
ओडिशा	28	20
राजस्थान	69	88
झारखंड	5	1
मध्य भारत	1033	1439
पश्चिमी घाट परिदृश्य समुच्चय		
कर्नाटक	524	563
केरल	190	213
तमिलनाडु	264	306
गोवा	3	5
पश्चिमी घाट	981	1087
उत्तर पूर्वी पहाड़ियाँ और ब्रह्मपुत्र बाढ़ के मैदान		
असम	190	229
अरुणाचल प्रदेश	29	9
मिजोरम	0	0
नगालैंड	0	0
उत्तरी पश्चिम बंगाल	0	2
उत्तर पूर्वी पहाड़ियाँ और ब्रह्मपुत्र	219	236
सुंदरबन	88	101
कुल	2967	3682

*****

अनुलग्नक- II

'बाघों और हाथियों की संख्या' के संबंध में पर दिनांक 20/07/2026 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 156 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

"भारत में हाथियों की स्थिति: हाथियों का डीएनए आधारित समकालिक अखिल भारतीय संख्या गणना (एसएआई ईई)" रिपोर्ट के अनुसार देश में राज्य-वार जंगली हाथियों की संख्या

क्रम संख्या	राज्य/परिदृश्य	जनसंख्या	एसई **	निम्नतर 95% सीआई*	उच्चतर 95% सीआई
1.	कर्नाटक	6,013	623	4,792	7,235
2.	तमिलनाडु	3,136	229	2,688	3,585
3.	केरल	2,785	208	2,378	3,193
4.	झारखंड	217	35	149	286
5.	ओडिशा	912	170	579	1,246
6.	मध्य प्रदेश	97	19	60	135
7.	छत्तीसगढ	451	79	297	606
8.	महाराष्ट्र (पश्चिमी घाट और गढ़चिरौली)	63	8	48	79
9.	पश्चिम बंगाल (दक्षिण)	31	5	22	41
10.	आंध्र प्रदेश	120	9	103	138
11.	उत्तराखंड	1,792	148	1,502	2,083
12.	उत्तर प्रदेश	257	37	103	330
13.	बिहार	13	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
14.	अरुणाचल प्रदेश	617	32	555	680
15.	असम	4,159	390	3,395	4,924
16.	मणिपुर	9	1	8	11
17.	मेघालय	677	47	585	770
18.	मिजोरम	16	1	13	18
19.	नगालैंड	252	23	207	298
20.	त्रिपुरा	153	7	140	167
21.	पश्चिम बंगाल (उत्तर)	676	69	541	812
	कुल	22,446	2,140	18,255	26,645

*सीआई : विश्वास अंतराल

** एसई : मानक त्रुटि

*****